# Durga Mahavidyalaya Raipur Chhattisgarh

## Topic - उत्पादन फलन

Class -B. A. Third semester

Aysha Parveen
Assistant professor
Economics Department

# उत्पादन फलन का अर्थ:-

- उत्पादन करने के लिए उत्पादन के विभिन्न साधनों भूमि श्रम पूंजी प्रबंधन तथा साहस की आवश्यकता पड़ती है अतएव यह कहना गलत ना होगा की उत्पत्ति साधनों के अनुपात पर निर्भर करती है अन्य शब्दों में, किसी वस्तु का उत्पादन उत्पत्ति के साथ विभिन्न साधनों के आदर्श सहयोग द्वारा होता है अर्थशास्त्र की भाषा में जिस वस्तु का उत्पादन किया जाता है उसे उत्पाद कहते हैं तथा जिन साधनों द्वारा उत्पादन होता है उसे आगत, पड़त या अदा कहा जाता है उत्पादन प्रकार्य यह बताता है कि एक दिए हुए तकनीकी ज्ञान तथा प्रबंध योग्यता की सहायता से उत्पादक आगतों के विभिन्न संयोगों से उत्पादन की अधिकतम मात्रा किस प्रकार ज्ञात की जा सकती है इस प्रकार उत्पादन फलन उत्पादन तथा आगत के बीच संबंध को व्यक्त करता है संक्षेप में उत्पादन फलन उत्पादन संभावनाओं का सूची पात्र है इसकी कुछ विद्वानों द्वारा परिभाषा दी गई है-

# परिभाषाएं:-

- प्रोफेसर सैम्युअल्सन के अनुसार, "उत्पादन फलन व तकनीकी संबंध है जिससे यह ज्ञात होता है की आदताओ के एक विशिष्ट संयोग से कितनी प्रदा प्राप्त होती है यह संबंध एक दिए हुए प्राविधिक ज्ञान से संबंधित होता है।"
- डॉ स्टोवस्की के शब्दों में "किसी भी फॉर्म का उत्पादन के साधनों का फलन होता है तथा इसे यदि गणितीय रूप में रखा जाए तो उसे उत्पादन प्रकार्य कहते हैं।"
- उपर्युक्त परिभाषा से अध्ययन से पता चलता है कि उत्पादन फलन में समय तत्व एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है अल्पकाल का अभिप्राय उस समयावधि से होता है जिसमें उत्पत्ति के समस्त साधनों को आवश्यकता अनुसार परिवर्तित नहीं किया जा सकता है अल्पकाल में जिन साधनों को परिवर्तित नहीं किया जा सकता है उन्हें स्थिर साधन कहा जाता है इसके विपरीत दीर्घकाल का आशय है उसे लंबी अवधि से होता है जिसमें फॉर्म अपने उत्पादन क्षेत्र में प्रयोग होने वाले उत्पादन के साधनों की सभी इकाइयों को आवश्यकता अनुसार परिवर्तित कर सकती है इसलिए दीर्घकालीन उत्पादन फलन को पैमाने का प्रतिफल भी कहा जाता है इसे गणित समीकरण के रूप में इस प्रकार व्यक्त किया जा सकता है।

$$P = f(a, b, c \ldots\ldots n)$$

इस सूत्र में,

P = कुल उत्पादन या प्रदा होता है।

$a, b, c, \ldots n$ = प्रति समय इकाई उत्पादन के विभिन्न साधन या पड़त या अदा हैं।

समीकरण को इस प्रकार से भी पढ़ा जा सकता है। P को उत्पादन दर $a, b, c \ldots\ldots n$ उत्पादन सेवाओं की पड़त या फलन जो कि कोई फर्म प्रति समय इकाई में प्रयुक्त करती है। अन्य शब्दों में कोई फर्म $a, b, c, \ldots n$ की मात्रा को बढ़ाकर ही कुल उत्पादन अर्थात् P की मात्रा को बढ़ा सकती है।

# उत्पादन फलन की मान्यताएं:-

- उत्पादन फलन निम्नलिखित मान्यताओं पर आधारित है -
- उत्पादन फलन का संबंध एक निश्चित समय अवधि से होता है।
- अल्पकाल में उत्पादन के कुछ साधन स्थिर तथा अन्य साधन परिवर्तनशील होते हैं।
- दीर्घकाल में उत्पादन के सभी साधनों में परिवर्तन करना संभव होता है।
- उत्पादन के साधनों को छोटी-छोटी इकाइयों में विभाजित किया जा सकता है ।
- यह सिद्धांत की यह मानता है कि फर्म सर्वश्रेष्ठ तकनीक का प्रयोग करती है ।
- उत्पादन फलन के अध्ययन की समयावधि के लिए यह मान लिया जाता है कि तकनीकी या प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन किया गया होगा।
- उत्पादक फॉर्म द्वारा न्यूनतम लागत पर अधिकतम उत्पादन के उद्देश्य से प्रेरित होकर साधनों का विवेकपूर्ण उपयोग किया जाता है।

# उत्पादन फलन की प्रमुख विशेषताएं:-

- पारस्परिक संबंध
- इंजीनियरिंग समस्या
- टेक्नोलॉजी द्वारा निर्धारित की बातों का समावेश नहीं
- उत्पादन फलन समय से संबंधित
- स्थानापन्नता का गुण
- उत्पादन में भिन्नता

अतएव उत्पादन फलन का अध्ययन उत्पादक के क्षेत्र में विशेष महत्वपूर्ण है यह उत्पादन के तीन नियमों की जानकारी देता है एक पाव अपने उत्पादन फलन के द्वारा अपने लाभ को अधिकतम करने में सफल हो सकता है।

THANK YOU!